Hindi Murli Quiz 24-03-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) **जब मौत सिर पर आता है तो सभी भगवान का नाम लेते हैं। आजकल इतफाक तो बहुत होते रहेंगे। आहिस्ते-आहिस्ते आग फैलती है। आग शुरू होगी ___ से फिर आहिस्ते-आहिस्ते सारी दुनिया जल जायेगी।**

A. यादवों
B. पाण्डवों
C. कौरवों
D. विलायत
E. भारत

Q.2) **शब्दों को अर्थों के अनुसार जोडें --**

	Choice	Match
A	सबसे अच्छा कर्म है	मन्सा, वाचा, कर्मणा अन्धों की लाठी बनना।
B	लाउद्दीन की बत्ती वा जादूगर की बत्ती क्या-क्या दिखाती है!	वैकुण्ठ, स्वर्ग, सुखधाम।
C	अब यह जो प्रकाश दिखाने के लिए बच्चे	प्रदर्शनी मेले करते हैं, इतना खर्चा करते हैं, माथा मारते हैं।
D	देहली में भी इन्डिया गेट है।	अब अपना यह है गेट ऑफ मुक्ति जीवनमुक्ति।
E	हमेशा गेट दो होते हैं	इन और आउट।

Q.3) **शब्दों को अर्थों के अनुसार जोडें --**

	Choice	Match
A	अब वास्तव में उसकी ओपानिंग तो शिवबाबा करते हैं।	परन्तु हम ब्राह्मणों द्वारा कराते हैं।
B	अखबार में भी पड़ेगा-	प्रजापिता ब्रह्माकुमार- कुमारियां।
C	प्रजापिता तो सबका बाप हो गया।	वह कोई कम है क्या !
D	फिर बाप खुद सेरीमनी कराते हैं।	करनकरावनहार है ना।
E	बुद्धि में रहना चाहिए ना हम स्वर्ग की स्थापना कर रहे हैं।	तो कितना पुरूषार्थ कर श्रीमत पर चलना चाहिए।

Q.4) **बाबा ने देखा है बैठे-बैठे शरीर छोड़ देते हैं। वायुमण्डल बड़ा शान्त रहता है, सन्नाटा हो जाता है। सन्नाटा भी उनको भासेगा जो ज्ञान मार्ग में होंगे, शान्त में रहने वाले होंगे। बाकी कई बच्चे तो अभी बेबियाँ हैं। घड़ी-घड़ी गिर पड़ते हैं, इसमें बहुत-बहुत गुप्त मेहनत है।**

A. False / ये वाक्य गलत है
B. True / ये वाक्य सही है

Q.5) **यह महाभारत लड़ाई भी __ खोलती है।**

- गेट
- gate
- Gate
- GATE

Q.6) **तो नाम लिख दें-गेट ऑफ शान्तिधाम और सुखधाम अथवा गेट ऑफ प्योरिटी, पीस, प्रासपर्टी। यह तो अच्छे अक्षर हैं। तीनों ही यहाँ नहीं हैं। तो इस पर फिर समझाना की भी दरकार नहीं | नई दुनिया में यह सब था। नई दुनिया की स्थापना करने वाला है पतित-पावन, गाड फादर।**

A. False / ये वाक्य गलत है
B. True / ये वाक्य सही है

Explanation: तो नाम लिख दें-गेट ऑफ शान्तिधाम और सुखधाम अथवा गेट ऑफ प्योरिटी, पीस, प्रासपर्टी। यह तो अच्छे अक्षर हैं। तीनों ही यहाँ नहीं हैं। तो इस पर फिर समझाना भी पड़े।

Q.7) **तुम अभी किसको माथा नहीं टेक सकते हो | ...**

A. क्योंकि आत्मा तो बिंदी है , तुम उसके आगे क्या माथा टेकेंगे !
B. कायदा नहीं।
C. क्योंकि तुम उन सबसे ऊँच हो |

Q.8) **शब्दों को अर्थों के अनुसार जोडें --**

	Choice	Match
A	ऐसे बाप का बनकर फिर भी इतनी खुशी में नहीं रहते हैं।	घुटके खाते रहते हैं।
B	माया घड़ी-घड़ी बहुत घुटके खिलाती है।	शिवबाबा की याद भुला देती है।
C	बाप घुटका खिलाते हैं ज्ञान सागर में	माया फिर घुटका खिलाती है विषय सागर में।
D	सतयुग में गंगा को	दु:ख हरनी पाप कटनी नहीं कहेंगे।
E	फिर समझते हैं सागर से निकली हुई यह छोटी-बड़ी नदियाँ भी हैं।	ब्रह्म पुत्रा, सिंध, सरस्वती यह भी नाम रखे हुए हैं।

Q.9) **इनमें से सही वाक्यों का चयन करें -**

(उत्तर एक या एक से ज्यादा भी हो सकते हैं)

A. ☐ जैसे बाबा दिव्य दृष्टि दाता है तो स्वयं अपने लिए दिव्य दृष्टि दाता बन नहीं सकते |

B. ☑ सिर्फ तुम शिवबाबा को याद करो तो सब साक्षात्कार हो जायेंगे। नौधा भक्ति से भी साक्षात्कार होता है ना। यहाँ तुमको एम ऑब्जेक्ट का साक्षात्कार तो होता ही है फिर तुम बाबा को, स्वर्ग को बहुत याद करेंगे।

C. ☐ जैसे भक्ति मार्ग में तीव्र वेग से याद करते हैं तो साक्षात्कार होता है।ऐसा थोड़े ही अपनी मेहनत से दिव्य दृष्टि दाता बन जाते हैं।

D. ☑ जो बाबा की याद में और ज्ञान में मस्त होंगे वही अन्त की सभी सीन सीनरी देख सकेंगे।

E. ☑ बड़ी मंजिल है। अपने को आत्मा समझ बाप को याद करना, मासी का घर नहीं है।

Explanation: जैसे बाबा दिव्य दृष्टि दाता है तो स्वयं अपने लिए दिव्य दृष्टि दाता बन जायेंगे। जैसे भक्ति मार्ग में तीव्र वेग से याद करते हैं तो साक्षात्कार होता है। अपनी मेहनत से जैसे दिव्य दृष्टि दाता बन जाते हैं।

Q.10) **साधू लोग अपने को ऊंच पवित्र समझते हैं, औरों को अपवित्र नींच समझते हैं। तुम भल जानते हो हम सबसे ऊंच हैं परन्तु कोई हाथ जोड़े तो रेसपान्ड देना पड़े। हरीओम् तत्सत् करते हैं, तो करना पड़े। ....**

A. ◉ युक्ति से नहीं चलेंगे तो वह हाथ नहीं आयेंगे।

B. ○ युक्ति से नहीं चलेंगे तो वो तुम्हारी निंदा करेंगे , लोगों को तुम्हारे पास आने से रोकेंगे |

C. ○ युक्ति से नहीं चलेंगे तो वो तुम्हें तंग करेंगे |